improved manner and, where necessary, in coordination with any other agency owing or having the control of another power system;

(vi) promote and assist in the timely completion of schemes sanctioned under Chapter V of the Act;

(vii) make arrangements for advancing the skill of persons in the generation and supply of electricity;

(viii) carry out or make arrangements for any investigation for the purpose of generating or transmitting electricity;

(ix) promote research in matters affecting the generation, transmission and supply of electricity;

(x) advise the Central Government or any matter on which its advice is sought or make recommendation to that Government on any matter if in the opinion of the Authority, the recommendation would help in improving the generation, distribution and utilisation of electricity; and

(xi) discharge such other functions as may be entrusted to it by or under any other law.

In addition to the above functions as laid down in sub-section (1) of Section 3 of the E(S) Act, 1948, the Central Government has added four more functions in the rules framed under Section 4B(1) vide GSR: 1662 dated the 23rd November, 1977. These additional functions are as follows:—

(a) co-ordination of research and development in the power engineering field;

(b) evaluation of the financial performance of the State Electricity Boards constituted under Section 5 and undertaking of studies concerning the economic and commercial aspects of the power industry as well as analysis of the tariff structure in the power industry;

(c) techno-economic appraisal of power projects;

(d) promotion of inter-state and joint sector power projects.

In addition to the above functions, provided under the Act, the CEA also provides consultancy services in the planning and design of hydro-electric and thermal power projects and power systems.

देश में विद्युत टैरिफ

107. **श्री राम जेठमलानी:** क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान 14 अक्तूबर, 1996 के "दि इकोनोमिक टाइम्स" में पावर टैरिफ इन इंडिया टेन टाइम्स दैन एबरोड" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश में विद्युत टैरिफ अन्य देशों की तुलना में बहुत अधिक है;

(ग) यदि नहीं, तो नार्वे, स्वीडन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, चीन, जापान, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन में क्रमश: विद्युत टैरिफ की दरें क्या हैं, और

(घ) उपरोक्त देशों की तुलना में भारत में किस औसत राष्ट्रीय दर पर बिजली की बिक्री की जाती है?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) जी, हां।

(ख) से (घ) नार्वे, स्वीडन जापान, फ्रांस, यूएसए और यू०के० में औद्योगिक और घरेलु उपभोक्ताओं पर, भारत में विद्यमान दरों की तुलना में लागू विद्युत टैरिफ की दरें विवरण में दी गई हैं (नीचे देखिए) उपरोक्त देशों में, यू०के० और जापान को छोड़कर, औद्योगिक टैरिफ भारत से कम है। तथापि, उपरोक्त देशों में घरेलू उपभोक्ताओं हेतु दरें भारत में विद्यमान दरों से कहीं ज्यादा हैं।

विवरण

विभिन्न देशों में विद्युत दरें

पैसे/कि० वा०घं०

(4 अक्टूबर, 95 की स्थिति के अनुसार)

देश	औद्योगिक	घरेलु
नार्वे	118	256
स्वीडन	133	319
ब्राजील	उ०न०	उ०न०
साउथ अफ्रीका	उ०न०	उ०न०
चीन	उ०न०	उ०न०
जापान	561	796
फ्रांस	185	490
यू०एस०ए०	155	271
यू०के०	228	406
भारत (1994-95)	221	91

उ०न० - उपलब्ध नहीं

स्त्रोत - ऊर्जा कीमतें और कर - प्रथम, 95, आई०ई०ए०